

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

सतर्कता जागरूकता सप्ताह (दिनांक 26 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2015)

"सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता"

मुख्य सतर्कता अधिकारी, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून के पत्र संख्या - 111-3/2015/मु.स.अ./भावाअशिप (वी.ए.डब्ल्यू.) दिनांक 08 अक्टूबर, 2015 के साथ संलग्न अपर सचिव, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, नई दिल्ली के परिपत्र संख्या- 015/VGL/065-293536 दिनांक 31.08.2015 द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में संस्थान द्वारा दिनांक 26.10.2015 से 31.10.2015 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2015" मनाया गया, जिसका विषय " सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता " रहा ।

इस सप्ताह की शुरुआत में सतर्कता जागरूकता के लिए दिनांक 26.10.2015 को प्रातः 11.00 बजे संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा अधिकारियों व कर्मचारियों को संस्थान के सभागृह में भ्रष्टाचार उन्मूलन हेतु शपथ ग्रहण करायी गई। शपथ समारोह के पश्चात सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने हेतु सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न गतिविधियों के आयोजन और उनमें भाग लेने हेतु अपनी-अपनी राय व्यक्त की । सप्ताह के दौरान संस्थान में प्रतिदिन विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे- नारा लेखन, पोस्टर बनाना, निबंध लेखन, कविता तथा वाद-विवाद इत्यादि के आयोजन हेतु निर्णय लिए गए ।

सप्ताह के दौरान संस्थान में आयोजित गतिविधियों का विवरण :

26.10.2015

शपथ ग्रहण सभा में प्रातः 11.00 बजे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा सतर्कता जागरूकता की शपथ ली गई एवं अन्य संबंधित विषय पर विस्तार से चर्चा भी की गई। सभा के दौरान निदेशक महोदय की अध्यक्षता में सतर्कता अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों ने भी सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता के विषय में अपने-अपने बहुमूल्य विचारों से जागरूक किया और विभिन्न एवं संबंधित गतिविधियों के आयोजन हेतु निर्णय भी लिए गए ।

27.10.2015

नारा लेखन प्रतियोगिता में संस्थान के स्थायी/अस्थाई कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । जिसमें श्री कुलवंत राय गुलशन, तकनीकी सहायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया वहीं श्री पंकज कुमार, क्षेत्र सहायक ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया । पोस्टर प्रतियोगिता में कुमारी सोनिका शर्मा, तकनीकी सहायक प्रथम एवं श्री नरेन्द्र कुमार, परियोजना सहायक द्वितीय रहे ।

28.10.2015

निबंध लेखन प्रतियोगिता में कर्मचारियों ने "सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता" विषय पर हिंदी एवं अंग्रेजी में निबंध लिखकर भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के अपने विचार प्रस्तुत किए । श्री दुष्यन्त कुमार, अनुसंधान सहायक ग्रेड-1 प्रथम व कुमारी गुंजन, पीएच.डी. स्कॉलर ने द्वितीय स्थान हासिल किया ।

29.10.2015

वाद-विवाद प्रतियोगिता "सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता" विषय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने टीम-ए व टीम-बी ने पक्ष व विपक्ष में अपने-अपने विचार रखे । दोनों टीमों का सराहनीय प्रदर्शन रहा और टीम-ए विजयी रही ।

30.10.2015

सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2015 के समापन पर दिनांक 30.10.2015 को गतिविधियों की समीक्षा एवं पारितोषिक वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया । सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंत में सभी गतिविधियों पर गहन चर्चा हुई व विस्तार से समीक्षा की गई । डॉ.के.एस. कपूर, सतर्कता अधिकारी एवं निदेशक महोदय ने "सुशासन के प्रभावी उपाय के रूप में निवारक सतर्कता" विषय पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए उनके द्वारा विभिन्न गतिविधियों को पूर्ण ईमानदारी से करने और भय अथवा पक्षपात के बिना कार्य करने के जज़्बे को सराहा । विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को डॉ.वी.पी.तिवारी, निदेशक, एचएफआरआई, शिमला द्वारा प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरित किए गए ।

अंत में डॉ.राजेश शर्मा, वैज्ञानिक-एफ ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह 2015.....झलकियाँ









